

न्यायालय:-अमूल मण्डलोई, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणीअंजड़ जिला बड़वानी म.प्र.

आपराधिक प्रकरण क्रमांक 344/18

संस्थित दिनांक 28.06.2018

म.प्र.शासन द्वारा आरक्षी केन्द्र
अंजड़ जिला बड़वानी म.प्र.

.....अभियोगी

विरुद्ध

सतीश पिता पुन्या, उम्र 25 वर्ष,
निवासी सजवाय, जिला बड़वानी

.....अभियुक्त

:://निर्णय//::

(आज दिनांक 28/06/2018 को घोषित)

1— अभियुक्त सतीश पर सार्वजनिक द्युत अधिनियम की धारा 4—क के तहत यह अभियोग है कि वह दिनांक 21.06.2018 को दिन के 4:30 बजे के लगभग बस स्टेण्ड अंजड़ में सट्टा अंक लिखकर रुपये लेकर रुपयों की हारजीत के लिये दाव लगाकर सट्टा खेलते/खिलाते हुए पाया गया।

2— प्रकरण में महत्वपूर्ण स्वीकृत तथ्य यह है कि अभियुक्त को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया तथा यह भी स्वीकृत तथ्य है कि अभियुक्त ने इस निर्णय की कण्डिका 1 में वर्णित आरोपों को स्वेच्छा से बिना किसी डर दबाव के स्वीकार किया है।

3— अभियोजन का मामला संक्षेप में इस प्रकार है कि दिनांक 21.06.2018 को थाना अंजड़ पर पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक जगदीश कलमे को दौरान भ्रमण मुखबीर से सूचना मिली कि सतीश बस स्टेण्ड के पास गुमटी के पीछे सट्टा अंक लिखकर हार जीत का रुपये पैसों का दाव लगाकर लोगों को परीयां दे रहा है। मुखबीर की सूचना पर विश्वास कर राहगीर पंचान मोहन व देवेन्द्र को तलब कर मुखबीर की सूचना से अवगत कराया व हमराह लेकर मुखबीर के बताये स्थान पर पहुंचा तथा आड से छिपकर देखा तो एक व्यक्ति सट्टा डायरी पर अंक लिखते दिखा जिसे हमराही फोर्स व पंचान की मदद से घेराबंदी कर पकड़ा तथा उसका नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम सतीश पिता पुनिया कोली बताया। उसके कब्जे से पास 310 रुपये नगद, सट्टा अंक लिखी डायरी, एक कार्बन का टुकड़ा तथा एक लीड पेन पाया जिसे पंचान के समक्ष जप्त किया तथा अभियुक्त को गिरफ्तार किया। बाद थाना वापस आकर उसके विरुद्ध थाने का अपराध क्र. 220/18 अंतर्गत धारा 4—क सार्वजनिक द्युत अधिनियम के तहत पंजीबद्ध कर प्रथम सूचना रिपोर्ट लेखबद्ध की एवं प्रकरण को विवेचना में लिया। विवेचना दौरान साक्षियों के कथन लेखबद्ध कर सम्पूर्ण विवेचना उपरान्त अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।

4— उक्त अभियोग पत्र के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध धारा 4—क सार्वजनिक द्युत अधिनियम के तहत अपराध विवरण विरचित किया जाकर अभियुक्त को अपराध विवरण पढ़कर सुनाये एवं समझाये जाने उसने उक्त अपराध करना स्वीकार

किया उसका अभिवाक् लेखबद्ध किया गया।

5— प्रकरण के निराकरण हेतु विचारणीय प्रश्न यह है:—

क्या अभियुक्त सतीश पिता पुन्या दिनांक 21.06.2018 को दिन के 4:30 बजे के लगभग बस स्टेण्ड अंजड़ में सट्टा अंक लिखकर रुपये लेकर रूपयों की हारजीत के लिये दाव लगाकर सट्टा खेलते/खिलाते हुए पाया गया?

//निष्कर्ष के आधार//

विचारणीय बिन्दु का सकारण निष्कर्ष

6— अभियोजन की और से प्रस्तुत अभियोग पत्र एवं संलग्न दस्तावेजों के असल होने को अभियुक्त ने स्वीकार किया है तथा यह व्यक्त किया है कि उसने उक्त अपराध किया है। अभियोग पत्र के साथ प्रस्तुत दस्तावेजों के अवलोकन से तथा अभियुक्त द्वारा की गयी स्वीकारोक्ति के आधार पर अभियुक्त के द्वारा धारा 4-क सार्वजनिक द्युत अधिनियम का अपराध करना प्रमाणित पाये जाने से उसे धारा 4-क सार्वजनिक द्युत अधिनियम के आरोप में दोषसिद्ध किया जाता है।

7— दण्ड के प्रश्न पर विचार किया गया, अभियोजन की और से प्रस्तुत अभियोग पत्र के अवलोकन से अभियुक्त की पूर्व की कोई दोषसिद्धि होना अभिलेख पर नहीं है। अभियुक्त का यह प्रथम अपराध होना प्रकट होता है। उक्त स्थिति में अभियुक्त को धारा 4-क सार्वजनिक द्युत अधिनियम के अपराध में न्यायालय उठने तक की सजा एवं 750/- रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है तथा अर्थदण्ड की राशि अदा न करने के व्यतिक्रम में अभियुक्त को 1 माह के अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा भुगताई जाने का आदेश दिया जाता है।

8— प्रकरण में जप्तशुदा 310 रुपये राजसात किये जाते हैं। प्रकरण में जप्तशुदा सट्टा अंक लिखी डायरी, एक कार्बन का टुकड़ा तथा एक लीड पेन मूल्यहीन होने से अपील अवधि पश्चात अपील न होने की दशा में नष्ट किये जावे। अपील होने की दशा में सम्पत्ति का निराकरण माननीय अपील न्यायालय के आदेशानुसार किया जावे।

निर्णय खुले न्यायालय में हस्ताक्षरित, दिनांकित,
एवं मुद्रांकित कर उद्घोषित किया गया।

मेरे उद्बोधन पर टंकित।

(अमूल मंडलोई)

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी,
अंजड़ जिला बड़वानी म.प्र.

(अमूल मंडलोई)

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी,
अंजड़ जिला बड़वानी म.प्र.